19 जिले लक्ष्य से अधिक निवेश जमीन पर उतारने को तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने जा रही योगी सरकार की इस मुहिम में सूबे के सभी 75 जिलों ने अपना योगदान दिया है। 19 जिले तो ऐसे हैं जिन्होंने जीबीसी के लिए निर्धारित निवेश लक्ष्य के शत प्रतिशत से भी ज्यादा हासिल कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एटा जिले ने लक्ष्य का 354 प्रतिशत हासिल कर लिया है तो धनराशि के हिसाब से सर्वाधिक 1.21 लाख करोड़ रुपये का निवेश पूर्वांचल के सोनभद्र जिले में होने जा रहा है।

जीबीसी की तैयारी के संदर्भ में इन 19 जिलों के लिए कुल 2.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लक्ष्य तय किया गया था। लक्ष्य के सापेक्ष इन जिलों ने कुल 2.78 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाओं को शुरू करने

- एटा ने निर्धारित लक्ष्य का 354 प्रतिशत हासिल किया
- सोनभद्र में 1.21 लाख करोड़ की परियोजनाएं लेंगी मूर्त रूप

सोनभद्र में 1.21 लाख करोड़ से ज्यादा की परियोजनाएं तैयार

निवेश के आकार की बात करें तो इन 19 जिलों में सोनभद्र में सर्वाधिक निवेश होने जा रहा है। जीबीसी के माध्यम से सोनभद्र में 1,21,220 करोड़ रुपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ होगा। सोनभद्र को एक लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य दिया गया था। सोनभद्र के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि यह कभी नक्सल प्रभावित जिला माना जाता था। बरेली ने भी 31,350 करोड़ रुपये की तैयारी कर ली है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से योगी सरकार ने 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए थे। इनमें से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए योगी सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन करने जा रही है। इसके लिए सरकार ने सभी जिलों के लिए लक्ष्य निर्धारित किया था। जिलों के द्वारा विभिन्न निवेश परियोजनाओ को भौतिक सत्यापन, भूमि की उपलब्धता और जीबीसी टैगिंग के माध्यम से निवेश के लिए तैयार किया गया है। एटा ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। योगी सरकार ने जीबीसी के लिए एटा को 1100 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य दिया था। इसके सापेक्ष एटा ने 3894 करोड़ रपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाओं को शुरू करने की तैयारी कर ली है। सीतापुर ने 145 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। जिले को 15 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था, जबकि 21801 करोड़ रुपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाएं तैयार हैं। शाहजहांपुर ने 127 प्रतिशत, सोनभद्र ने 121 प्रतिशत, चंदौली ने 117 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर व मुरादाबाद ने 114 प्रतिशत, मीरजापुर ने 113 प्रतिशत, हरदोई ने 111 प्रतिशत, अमेठी ने 108 प्रतिशत, बाराबंकी ने 108 प्रतिशत, फतेहपुर व गोंडा ने 105 प्रतिशत, बरेली ने 104 प्रतिशत, रामपुर ने 103 प्रतिशत और बहराइच ने 101 प्रतिशत से ज्यादा लक्ष्य हासिल किया है। वहीं, लखीमपुर खीरी, भदोही और बिजनौर ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया।

मुरादाबाद ने भी 13,759 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का इंतजाम किया है जबकि उसे 12 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था। चंदौली को 20 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था, जबकि उसने 23,457 करोड़ से ज्यादा का लक्ष्य जुटा लिया है। बरेली को 30 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था। की निवेश परियोजनाओं को जमीन पर उतारने की तैयारी की है।